



Letter to the Delhi Transport Corporation for a Mobility Heatwave Action Plan

To,
Ms. Shilpa Shinde
Managing Director
The Delhi Transport Corporation
Government of National Capital Territory of Delhi
I.P. Estate, New Delhi-110002

From,
Public Transport Forum Delhi

Sub: Mobility Heatwave Action Plan

Respected Madam,

As the summer season is [expected](#) to bring higher than normal temperatures to most parts of India, Delhi is likely to experience a hot summer with a potential heatwave enveloping the city. If appropriate facilities are not provided, high summer temperatures can make bus [journeys](#) difficult, uncomfortable, and pose health problems. Therefore, the Public Transport Forum, Delhi and Greenpeace India want to draw your attention to the need for a Heatwave Action Plan for public buses and urge to introduce measures that can help reduce the impact of heatwave conditions on bus users and workers. Bus transport is the lifeline of Delhi, and a large section of the population depends on it for their daily commute. To ease the travel of bus users and workers during hot summer days, it is crucial to create efficient conditions to commute in buses. We believe that there should be sufficient infrastructural and health facilities in place to help bus users and workers cope with the summer heat and minimize fatalities. The Transport Corporation of Delhi must engage multiple stakeholders to create both short and long-term policy interventions that can lessen the impact of the heatwave on bus users and workers. We also believe that in the preparation of the Heatwave Action Plan for Delhi, bus transport should be given due consideration. There have been [initiatives and policy recommendations](#) in various countries and cities focusing on interventions that can ease commuting by public transport during the heatwave. The Public Transport Forum Delhi and Greenpeace India recommend the following actionable interventions which should be introduced by the Delhi Transport Corporation before 30th of May.

Recommendations:

- There are bus stops in Delhi where no proper bus shelters are provided thus exposing bus users to the heat. Bus shelters equipped with proper facilities like drinking water, public toilets and a roof can be beneficial in minimizing the effects of heatwave.
- Bus depots should be equipped with rest rooms with adequate cooling facilities, ventilation and drinking water.
- Ensure lesser wait time for passengers to reduce the exposure to the heat.
- There should be adequate medical facilities for bus workers at bus depots. As temperature rises, cases of heat stroke also rise. The transport department should have proper arrangements for bus workers suffering from heatstroke.
- Reduce the number of non AC buses during the noon hours as it will provide resting time for bus drivers and conductors from the scorching heat. Moreover ticket prices of non AC buses should be reduced during the noon hours.
- The transport department of Delhi should prepare an extreme-weather emergency plan meant for the bus users as well as bus workers.
- Ease uniform restrictions for bus drivers, conductors, and other workers for their comfort during heatwave conditions

Supported by

- Greenpeace India
- Youth For Climate India
- IGSSS (Indo-Global Social Service Society)
- CYCLE (Centre for Youth Culture Law and Environment)
- Basti Suraksha Manch
- Tweet Foundation
- City Sabha
- Fridays For Future Delhi
- Peddlers For Future
- Warrior Moms
- Heatwave Action Coalition India
- Green Pencil Foundation

Date: 17-05-2023



मोबिलिटी हीटवेव एक्शन प्लान के लिए दिल्ली परिवहन निगम को पत्र

को,
दिल्ली परिवहन निगम
नयी दिल्ली

से,
सार्वजनिक परिवहन मंच
नयी दिल्ली

विषय: मोबिलिटी हीटवेव एक्शन प्लान

आदरणीय महोदय,

जैसा कि गर्मी के मौसम में भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य तापमान से अधिक होने की उम्मीद है, दिल्ली में शहर को संभावित हीटवेव के साथ गर्म गर्मी का अनुभव होने की संभावना है। यदि उपयुक्त सुविधाएं प्रदान नहीं की जाती हैं, तो उच्च गर्मी का तापमान बस यात्रा को कठिन, असुविधाजनक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, पब्लिक ट्रांसपोर्ट फोरम, दिल्ली और ग्रीनपीस इंडिया सार्वजनिक बसों के लिए हीटवेव एक्शन प्लान की आवश्यकता पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं और उन उपायों को पेश करने का आग्रह करते हैं जो बस उपयोगकर्ताओं और श्रमिकों पर हीटवेव की स्थिति के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। बस परिवहन दिल्ली की जीवन रेखा है, और आबादी का एक बड़ा वर्ग अपने दैनिक आवागमन के लिए इस पर निर्भर करता है। गर्म गर्मी के दिनों में बस उपयोगकर्ताओं और श्रमिकों की यात्रा को आसान बनाने के लिए, बसों में यात्रा करने के लिए कुशल परिस्थितियों का निर्माण करना महत्वपूर्ण है। हमारा मानना है कि बस उपयोगकर्ताओं और कर्मचारियों को गर्मी से निपटने और मौतों को कम करने में मदद करने के लिए पर्याप्त ढांचागत और स्वास्थ्य सुविधाएं होनी चाहिए। दिल्ली परिवहन निगम को लघु और दीर्घकालिक दोनों तरह के नीतिगत हस्तक्षेप बनाने के लिए कई हितधारकों को शामिल करना चाहिए जो बस उपयोगकर्ताओं और श्रमिकों पर हीटवेव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। हमारा यह भी मानना है कि दिल्ली के लिए हीटवेव एक्शन प्लान तैयार करने में बस परिवहन पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए। विभिन्न देशों और शहरों में ऐसी पहलें और नीतिगत सिफारिशें की गई हैं जो उन हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं जो हीटवेव के दौरान सार्वजनिक परिवहन द्वारा आने-जाने को आसान बना सकते हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट फोरम दिल्ली और ग्रीनपीस इंडिया निम्नलिखित कार्रवाई योग्य हस्तक्षेपों की सिफारिश करते हैं जिन्हें दिल्ली परिवहन निगम द्वारा 15 मई से पहले पेश किया जाना चाहिए।

अनुशंसाएँ:

- दिल्ली में ऐसे बस स्टॉप हैं जहां कोई उचित बस शेल्टर उपलब्ध नहीं हैं, जिससे बस उपयोगकर्ताओं को गर्मी का सामना करना पड़ता है। पीने के पानी, सार्वजनिक शौचालय और छत जैसी उचित सुविधाओं से लैस बस शेल्टर हीटवेव के प्रभाव को कम करने में फायदेमंद हो सकते हैं।
- बस डिपो को पर्याप्त शीतलन सुविधाओं, वेंटिलेशन और पीने के पानी के साथ रेस्ट रूम से सुसज्जित किया जाना चाहिए।
- गर्मी के जोखिम को कम करने के लिए यात्रियों के लिए कम प्रतीक्षा समय सुनिश्चित करें।
- बस डिपो पर बस कर्मचारियों के लिए पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं होनी चाहिए। तापमान बढ़ने के साथ हीट स्ट्रोक के मामले भी बढ़ रहे हैं। परिवहन विभाग को लू से पीड़ित बस कर्मियों के लिए समुचित व्यवस्था करनी चाहिए।

- दोपहर के समय नॉन एसी बसों की संख्या कम करें क्योंकि इससे बस चालकों और परिचालकों को चिलचिलाती गर्मी से आराम का समय मिलेगा। इसके अलावा दोपहर के समय गैर एसी बसों के टिकट की कीमतें कम की जानी चाहिए।
- दिल्ली के परिवहन विभाग को बस उपयोगकर्ताओं के साथ-साथ बस कर्मचारियों के लिए एक अति-मौसम आपातकालीन योजना तैयार करनी चाहिए।
- हीटवेव की स्थिति के दौरान बस चालकों, कंडक्टरों और अन्य कर्मचारियों के आराम के लिए समान प्रतिबंधों को कम करें